Seventeenth Loksabha

pan>

Title: Demand to waive off the interest on Agricultural loan keeping in view the pathetic condition of farmers in the country.

श्री रामशिरोमणि वर्मा (श्रावस्ती): महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अति गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूं, जो सीधे-सीधे देश के अन्नदाता किसानों से जुड़ा हुआ है। आज किसान की माली हालत बद से बदतर होती जा रही है। देश का किसान बहुत लगन के साथ खून-पसीना बहा कर दिन-रात मेहनत करके अन्न उगाता है। वर्तमान में किसान के गेहूं का रेट मार्किट में 1400-1500 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा है। यही हाल धान का भी है। जबकि आज से चार-पाँच साल पहले देखा जाए तो गेहूं व धान की कीमत मार्केट में आज के रेट से प्रति क्विंटल 300-400 रुपये ज्यादा थी। इसके साथ-साथ किसान की खेती में उपयोग होने वाले खाद, बीज, कृषि यंत्र, डीजल व सिंचाई आदि के संसाधनों के मूल्य में बेतहाशा वृद्धि होती जा रही है। वहीं किसान जो फसल पैदा कर रहा है, उसका दाम घटता ही जा रहा है और सरकार कह रही है कि किसान की आय दोगुना हो गई है। जबकि वास्तव में उनकी स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि किसानों की माली हालत को देखते हुए किसानों के कृषि ऋण पर लगने वाले ब्याज को पूरी तरह से माफ किया जाए तथा कृषि क्षेत्र में उपयोग में आने वाले संसाधनों के मूल्य में काफी कमी की जाए, जिससे कृषि को लाभकारी बनाया जा सके और किसानों की आय दोगुनी हो सके। धन्यवाद।